खबर संक्षेप

कल जिला सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में जिला सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक 8 जून को समय-सीमा की बैठक के पष्चात आयोजित की जाएगी। बैठक में मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 215(3) के अंतर्गत यातायात प्रबंधन, सडक़ सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों, यातायात व्यवस्था, दुर्घटना नियंत्रण, जन जागरूकता गतिविधियों सहित अन्य गतिविधियो की समीक्षा की जाएगी। बैठक में जिला सडक़ सुरक्षा समिति के सदस्या एवं संबंधित अधिकारियो को समय-सीमा में उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

शहडोल में पहली बार मचेगा रंगमंच का धमाल

8 जून से सजेगा 11 दिवसीय नाट्य रंग महोत्सव, प्रवेश पूरी तरह नि:शुल्क

शहडोल। विंध्य की धरा पर कला और संस्कृति का एक नया इतिहास रचने जा रहा है। शहडोल के इतिहास में पहली बार सम्पूर्ण नाट्य एवं लोक कला समिति द्वारा 11 दिवसीय भव्य नाट्य रंग महोत्सव का ऐतिहासिक आयोजन किया जा रहा है। आगामी 8 जून से 18 जून 2026 तक चलने वाले इस सांस्कृतिक महाकुंभ में देश और प्रदेश के नामचीन कलाकार व प्रतिष्ठित नाट्य समूह अपनी कला का जादू बिखरेंगे। किरण टॉकीज रोड स्थित होटल शुभम पैलेस में सजने वाले इस रंगमंच पर हर दिन शाम 6:30 बजे से नाटकों की शानदार प्रस्तुतियां शुरू होंगी।

पहले दिन गूंजेंगी महाकवि भास की पंक्तियां

रंगकर्मी लकी चतुर्वेदी के कुशल संयोजन में हो रहे इस महोत्सव के प्रथम दिन शहडोल की अपनी नाट्य प्रस्तुति का मंचन होगा। उद्घाटन अवसर पर महाकवि भास द्वारा लिखित कालजयी नाटक मध्यम व्यायोग का मंचन किया जाएगा, जिसका उम्दा निर्देशन स्वयं लकी चतुर्वेदी ने किया है।

कला प्रेमियों से साक्षी बनने की अपील

आयोजक मंडल ने शहडोल के समस्त कला प्रेमियों, प्रबुद्ध नागरिकों और दर्शकों से अपील की है कि वे भारी संख्या में पधारकर इस अनूठे आयोजन के साक्षी बनें और स्थानीय व बाहरी कलाकारों का उत्साहवर्धन कर कार्यक्रम को सफल बनाएं। सबसे खास बात यह है कि इस उच्च स्तरीय सांस्कृतिक महोत्सव में आम जनता के लिए प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है। तो देर किस बात की, तैयार हो जाइए शहडोल के सबसे बड़े थिएटर फेस्टिवल का लुत्फ उठाने के लिए।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अधिकारियों कार्यालय परिसर में किया पौधरोपण

शहडोल। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिले भर में एक पेड़ मॉ के नाम अभियान का शुभारंभ किया गया। एक पेड़ मॉ के नाम अभियान का उद्देश्य पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाना एवं प्रकृति की गोद का हरा भरा करना है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग ने एसडीएम कार्यालय सोहागपुर में एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसी प्रकार जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री अखिलेश मिश्रा एवं स्व. सहायता समूह की महिलाएं सहित अन्य लोगो ने भी एक-एक पेड़ लगाकर पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन में अपना योगदान दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा हाईकोर्ट का आदेश, फिर रडार पर आए शर्मा जी

1 करोड़ के गबन मामले में बुढ़ार पुलिस की जांच पुनः शुरू, भ्रष्टाचार के खिलाफ कागजी दावों की खुली पोल

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जबलपुर हाईकोर्ट के फैसले को पलटकर एफआईआर को पुनर्जीवित किए जाने के बाद करोड़ों के शासकीय गबन के मुख्य आरोपी और तत्कालीन बीईओ अशोक शर्मा फिर से पुलिस की रडार पर आ गए हैं। माननीय उच्चतम न्यायालय के कड़े रुख और जनजातीय कार्य विभाग मध्य प्रदेश द्वारा अभियोजन की आधिकारिक स्वीकृति मिलने के बाद अब आरोपी नौकरशाह की गिरफ्तारी और न्यायालय में चालान पेश करने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है।

शहडोल।

प्रदेश सरकार एक तरफ भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का ढिंढोरा पीटती है, वहीं जमीनी हकीकत इसके उलट प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर और तीखे सवाल खड़े करती है। जिले में विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) बुढ़ार रहे अशोक शर्मा (मूल पद व्याख्याता) पर 1 करोड़ 1 लाख 72 हजार 176 रुपये की शासकीय राशि के गबन का मामला पूरी तरह प्रमाणित हो चुका है। बुढ़ार थाना में अपराध प्रकरण क्रमांक 493/2021 के तहत भादवि की धारा 409, 420, 467, 468, 471 के तहत मामला दर्ज होने और हाल ही में 22 मई 2026 को आयुक्त जनजातीय कार्य मध्य प्रदेश द्वारा अभियोजन की आधिकारिक स्वीकृति मिलने के बावजूद पूरा अमला तमाशबीन बना हुआ है। कार्रवाई करने के बजाय जिले के जिम्मेदार अधिकारी इस घोटाले पर पूरी तरह से चुप्पी साधे बैठे हैं, जिससे यह साफ उजागर होता है कि भ्रष्टाचारियों को शासन-प्रशासन का खुला संरक्षण प्राप्त है।

शिक्षा के मंदिर को बनाया व्यापार

अशोक शर्मा ने बुढ़ार में अपने 7 से 8 वर्षों के कार्यकाल (वर्ष 2014 से 2020) के दौरान शिक्षा के मंदिरों को भ्रष्टाचार का खुला व्यापार बना दिया था। महज इस छोटी सी अवधि में ही उन पर विभिन्न मदों में 8 से 10 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। इन्हीं दर्जनों मामलों में से एक मामले में जिला स्तर पर गठित जांच समिति के प्रतिवेदन के आधार पर 1 करोड़ 1 लाख 72 हजार 176 रुपये के गबन की पुष्टि हुई थी। तत्कालीन कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह और पुलिस अधीक्षक अवधेश कुमार गोस्वामी के निर्देश पर आदिवासी विकास विभाग की तीन सदस्यीय टीम ने इस विसंगति को पकड़ा था। इस टीम में रणजीत सिंह धुर्वे (प्राचार्य कन्या शिक्षा परिसर), विमल चौरसिया (सहायक सांख्यिकीय अधिकारी) और एस.एल. महोबिया (कनिष्ठ लेखाधिकारी) शामिल थे, लेकिन तत्कालीन थाना प्रभारी और पुलिस अधिकारियों ने रसूख के आगे घुटने टेकते हुए अशोक शर्मा को वर्दी की आड़ में खुली छूट दी और जांच को इंच भर भी आगे नहीं बढ़ाया।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा हाईकोर्ट का आदेश

वर्दी से मिली इसी शह के कारण आरोपी अशोक शर्मा ने साल 2022 में माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर से बुढ़ार थाने में दर्ज इस एफआईआर को ही क्रैश (निरस्त) करवा लिया था। हालांकि, मध्य प्रदेश शासन ने इस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी। उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली ने क्रिमिनल अपील नंबर 783/2025 की सुनवाई करते हुए 12 फरवरी 2025 को हाईकोर्ट जबलपुर के आदेश को पूरी तरह निरस्त कर दिया। शीर्ष अदालत ने बुढ़ार पुलिस को प्रकरण की पुनः विवेचना प्रारंभ कर अंतिम चालान पेश करने का कड़ा आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट के इस चाबुक के बाद अब बुढ़ार पुलिस के पास जांच बढ़ाने और आरोपी को सलाखों के पीछे भेजने का पूरा कानूनी अधिकार है, लेकिन रसूख के आगे शहडोल प्रशासन पूरी तरह बौना साबित हो रहा है। वर्तमान में आरोपी शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाली, जिला उमरिया में पदस्थ है, लेकिन उसकी गिरफ्तारी पर सांप सूंघा हुआ है।

भाई की फर्म के जरिए सरकारी खजाने में सेंधमारी

घोटाले के तार केवल अशोक शर्मा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनके सगे भाई गोपाल शर्मा की फर्म सहारा ट्रेवल्स से भी गहराई से जुड़े हैं। अशोक शर्मा ने अपने रसूख का बेजा इस्तेमाल कर अपने भाई की फर्म के दर्जनों वाहनों को विभिन्न सरकारी कार्यालयों में नियमों को ताक पर रखकर अटैच करवा रखा है। नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए हर महीने सरकारी खजाने से लाखों रुपये का किराया गोपाल शर्मा के खाते में ट्रांसफर किया जा रहा है। दोनों भाई एक ही छत के नीचे रहते हैं और जनता की गाढ़ी कमाई से अपना अवैध साम्राज्य खड़ा कर रहे हैं। इतना ही नहीं, पूर्व में गांधी चौक शहडोल में अपने पुत्र के नाम पर संचालित पतंजलि के प्रतिष्ठान से लाखों के फर्जी बिलों का भुगतान कराया गया और पत्नी के नाम पर फर्जी एनजीओ संचालित कर लाखों की राशि हजम की गई।

वाशिंग मशीन की शरण में आरोपी

स्थानीय गलियारों में यह तीखा सवाल तैर रहा है कि क्या सत्ता पक्ष की वाशिंग मशीन में धुलकर दोनों भाई पूरी तरह शुद्ध हो चुके हैं? चर्चा है कि महाघोटाले के उजागर होने के बाद कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए दोनों भाइयों ने सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया है। राजनीतिक शरण मिलते ही कलेक्टर और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के तेवर ढीले पड़ गए हैं। यदि जिला प्रशासन वाकई गंभीर होता, तो सहारा ट्रेवल्स की विभिन्न विभागों में जमा लाखों रुपये की सिक्योरिटी डिपॉजिट, एफडी और हर महीने के किराए को रोककर गबन की राशि की शत-प्रतिशत वसूली आसानी से की जा सकती थी, लेकिन अधिकारियों की यह निष्क्रियता सीधे तौर पर भ्रष्टाचारियों को संरक्षण की ओर इशारा करती है। नगर पालिका द्वारा आवंटित भवन में खुलेआम इस फर्म का आलीशान दफ्तर संचालित हो रहा है और शासन की आंखों में धूल झोंकी जा रही है।

उपायुक्त का मिला था संरक्षण

इस पूरे मामले को दबाने में संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य संभाग शहडोल की भूमिका भी संदिग्ध रही है। पूर्व में आयुक्त द्वारा 19 मई को पत्र जारी कर 7 दिनों के भीतर आपराधिक मामला दर्ज करने को कहा गया था, लेकिन उपायुक्त ने अपने ही उच्चाधिकारी के आदेश को दरकिनार कर मामले को लटकाने के लिए पुनः जांच कमेटी बैठा दी थी। हालांकि जहां पूरा प्रशासनिक अमला नतमस्तक है, वहीं आदिम जाति कल्याण विभाग के वर्तमान सहायक आयुक्त आनंद राय सिंह की हिम्मत की पूरे जिले में जमकर तारीफ हो रही है। इस घोटाले की फाइलें लंबे समय से धूल फांक रही थीं और पूर्व के अधिकारी हाथ डालने से डरते थे, लेकिन आनंद राय सिंह ने बिना किसी राजनीतिक या प्रशासनिक खौफ के इस पूरे भ्रष्टाचार के मामले को आगे बढ़ाया, जिससे आयुक्त तरुण राठी द्वारा डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित 22 मई 2026 को अभियोजन स्वीकृति का यह नया आदेश जारी हो सका। अब देखना यह है कि इस कड़े आदेश के बाद भी पुलिस गिरोह के चेहरों को बेनकाब करती है या राजनीतिक दबाव में फाइल दोबारा बंद हो जाएगी।

अस्पताल में आने वाले मरीजो का करें बेहतर उपचार: एसडीएम

एसडीएम ने जिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग ने जिला चिकित्सालय के मेल एवं फीमेल सर्जिकल वार्ड सहित अन्य वार्डो का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओ का जायजा लिया। उन्होंने जिला चिकित्सालय के प्रबंधक को निर्देश दिए कि जिला चिकित्सालय में आने वाले मरीजो को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएं जिससे उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजो को जमीन पर न लिटाएं, परिसर की नियमित साफ-सफाई कराई जाएं, डॉक्टर, मरीजो से संवेदनशीलता के साथ व्यवहार करते हुए उनका उपचार सुनिश्चित करें। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने निरीक्षण के दौरान दवाईयों की उपलब्धता, भर्ती मरीजो, ओपीडी संचालन जैसे अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त की। जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजो से भी चर्चा कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी एवं चिकित्सालय द्वारा दी जा रही सुविधाओ के बारे में भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय प्रबंधक श्रीमती पूजा सोनी सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहें।

सरफा डैम उद्यान में आयोजित हुआ पौधारोपण कार्यक्रम

विधायक, कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत, नपा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष ने किया वृक्षारोपण

शहडोल। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के तहत सरफा डैम उद्यान (वानकी क्षेत्र) में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना एवं नगर में हरित आवरण का विस्तार करना। एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के तहत जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्रीमती अमृता गर्ग, नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल, उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा (डोली), मुख्य नगर पालिका अधिकारी निशांत सिंह ठाकुर, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियो ने सरफा डैम परिसर में

पौधारोपण कर उन्हें सुरक्षित रखने का संकल्प लिया एवं पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास का संदेश दिया।

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियो ने आमजन को एक पेड़ मॉ के नाम अभियान में सहभागी बनते हुए अधिक से अधिक पौधरोपण करने तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन का आह्वान किया। वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि भावी पीढियों के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने का संकल्प है। इस अवसर पर पार्षद सिल्लू रजक, ओमप्रकाश चौधरी, प्रभात पांडे, जितेंद्र सिंह, श्रीमती शहजादी बेगम, पुनीत त्रिपाठी एवं मोतीलाल सिंह सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पौधों को लगाने के साथ उनकी सुरक्षा भी आवश्यक: किरण सिंह

मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन जिला इकाई के तत्वावधान में काव्य गोष्ठी आयोजित

शहडोल। मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन जिला इकाई के तत्वावधान में पर्यावरण दिवस के अवसर पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया काव्य गोष्ठी में नगर के अनेक वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कवि के साथ साहित्य प्रेमी शामिल हुए काव्य गोष्ठी का प्रारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय की हिंदी विभाग अध्यक्ष डॉ नीलमणि दुबे ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सीएल मिश्रा, अरुण नामदेव, शैलेंद्र जॉर्ज एवं बघेली रचनाकार रामसखा नामदेव उपस्थित रहे । मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन जिला इकाई की अध्यक्ष किरण सिंह शिल्पी ने उपस्थित जनों को पर्यावरण दिवस मनाया जाने के बारे में जानकारी

दी एवं सभी को वृक्षारोपण के साथ अधिक से अधिक पौधों पेड़ों एवं पर्यावरण की सुरक्षा की बात कही । कार्यक्रम का संचालन रचनाकार शिरीष नंदन श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त डाइट प्राचार्य रमाशंकर गौतम, वरिष्ठ कवि एवं पत्रकार दिनेश अग्रवाल ने पर्यावरण की सुरक्षा संरक्षण पर अपने विचार रखे । साथ ही औद्योगिकीकरण के नाम पर लगातार कटते वृक्षों पर चिंता जाहिर की । दूसरे चरण में आयोजित काव्य गोष्ठी में प्राप्ति सोनी, सुनील नाथ तिवारी, रजनीश सोनी, रामलखन विद्रोही, बृजमोहन सराफ बशर, अनिल प्रभात शुक्ल, शिवनारायण त्रिपाठी, सुखनिधान मिश्रा, सीएल मिश्र, शैलेंद्र जॉर्ज, रूपाली सिंघई, नवनीत शर्मा, शिरीष नंदन श्रीवास्तव, रामसखा नामदेव, इकाई की अध्यक्ष किरण सिंह शिल्पी एवं डॉ नीलमणि दुबे ने पर्यावरण चेतना पर आधारित रचनाएं प्रस्तुत की। इकाई की ओर से दिनेश अग्रवाल एवं रामसखा नामदेव का अशोक का पौधा देकर सम्मान किया गया । गोष्ठी के अंत में मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन की इकाई की अध्यक्ष किरण सिंह शिल्पी ने उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया।

पौधरोपण कर मनाएं विशेष दिन, बनाएं प्रकृति को हरा भरा: विधायक

एक पेड़ मॉ के नाम अभियान अंतर्गत विधायक ब्यौहारी ने किया पौधरोपण

शहडोल। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विधायक ब्यौहारी शरद कोल ने शासकीय हाई स्कूल नगनौडी परिसर में नीम के पेड़ का पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पेड़ पौधो का संरक्षण एवं संवर्धन हम सबका दायित्व है, पेड़ पौधे हमें जीवन प्रदान करते है। जीवन की आवश्यकताओ की पूर्ति भी करते है। पेड़ो का संरक्षण तथा अधिक से अधिक पौध रोपण करके हम धरती को हरा-भरा बनाने में योगदान दे सकते है। पेड़ पौधो मानव जीवन की मूल आवश्यकता है। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन के कारण असमय बाढ़, भू-स्खलन, जल संकट तापमान में वृद्धि जैसी चुनौतियां का सामना करना पड़ रहा है, पेड़-पौधो एवं जल स्त्रोतो का पास्परिक संबंध वन संरक्षण से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मॉ के नाम अभियान पर्यावरण के साथ-साथ माताओ-बहनो के सम्मान से भी जुड़ा हुआ है, हर व्यक्ति को विषेष अवसरो

जन्मदिन, सालगिरह, बच्चो के जन्मदिन, पर्यावरण दिवस जैसे अन्य महत्वपूर्ण दिनो में पौधरोपण अवश्य करना चाहिए। इस अवसर विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी एवं अन्य लोगो ने भी पौधरोपण किया।

बूंद-बूंद पानी को तरस रहे लोग,नशे में धुत व्यवस्था और सडक़ों पर बहता जल ही जीवन

बरगवां। जल ही जीवन है का नारा सरकारी दीवारों पर भले ही चमचमा रहा हो, लेकिन नगर परिषद बरगवां के वार्ड क्रमांक एक में इस जीवनदायिनी व्यवस्था को पूरी तरह तार-तार कर दिया गया है। विडंबना देखिए कि वार्ड में ओवरहेड टैंक (पानी की टंकी) लबालब भरी है, बिजली की आपूर्ति भी चकाचक है, लेकिन फिर भी इस भीषण तपती गर्मी में यहां के बाशिंदे बूंद-बूंद पानी के लिए खून के आंसू रो रहे हैं। वजह है—प्रशासनिक शून्यता, सडक़ पर महीने भर से बहती फटी पाइपलाइन और नशे के भरोसे छोड़ी गई नल-जल योजना।

नशेडिय़ों के हाथ में नल-जल की कमान

वार्डवासियों का सीधा और गंभीर आरोप है कि नगर परिषद ने पंप हाउस और जल प्रदाय की जिम्मेदारी ऐसे अवांछित तत्वों को सौंप रखी है, जो चौबीस घंटे शराब के नशे में धुत रहते हैं। हैरानी की बात यह है कि नगर परिषद अध्यक्ष, वार्ड पार्षद और अन्य रसूखदार जनप्रतिनिधियों को इस बदइंतजामी की ए टू जेड जानकारी है। इसके बावजूद इन लापरवाह कारिंदों पर कोई कार्रवाई करने के बजाय उन्हें खुला संरक्षण दिया जा रहा है। नेताओं और अफसरों की इसी साठगांठ की कीमत आज बेकसूर जनता चुका रही है।

डिब्बे ढोने को मजबूर बुजुर्ग और नौनिहाल

एक तरफ सरकार पानी बचाने के लिए करोड़ों के विज्ञापन फूंक रही है, वहीं दूसरी तरफ महीने भर से फटी मुख्य पाइपलाइन के कारण लाखों लीटर शुद्ध पानी रोजाना सडक़ों पर बहकर नाली की भेंट चढ़ रहा है। इस घोर लापरवाही ने वार्ड क्रमांक एक को विकास के दावों से 15 साल पीछे धकेल दिया है। आज हालात यह हैं कि सुबह होते ही क्या बुजुर्ग, क्या जवान और क्या मासूम बच्चे—हर कोई साइकिलों पर डिब्बे लादकर पानी की तलाश में भटकने को मजबूर है। माताएं-बहनें घर का काम छोड़ सिर पर घड़े उठाए मीलों का सफर तय कर रही हैं।

मानवीय संवेदनाएं सोईं, पैसों की बर्बादी जारी

शासन-प्रशासन एक तरफ जल संरक्षण के नाम पर पानी की तरह पैसा बहा रहा है, तो दूसरी तरफ बरगवां नगरीय निकाय की इस घोर निष्क्रियता ने पूरी व्यवस्था का मजाक बना दिया है। भीषण गर्मी के इस दौर में जनता की इस बुनियादी जरूरत से नजरें चुराना स्थानीय जनप्रतिनिधियों की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। वार्डवासियों ने अब दो-टूक चेतावनी दी है कि यदि इस नियम विरुद्ध आचरण पर तुरंत रोक नहीं लगाई गई और पाइपलाइन दुरुस्त कर स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति बहाल नहीं हुई, तो वे नगर परिषद का घेराव कर उग्र प्रदर्शन को बाध्य होंगे।

सिद्ध बाबा पहाड़ी स्थित एकादशमुखी हनुमान मंदिर में प्रथम वार्षिकोत्सव संपन्न

बरगवां। नगर परिषद बरगवां के अमलाई वार्ड क्रमांक 5 स्थित सिद्ध बाबा पहाड़ी पर विराजमान श्री एकादशमुखी संकटमोचन हनुमान मंदिर का प्रथम वार्षिकोत्सव शुक्रवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और भगवान हनुमान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातःकाल विशेष पूजन-अर्चन से हुई। इसके बाद श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ एवं सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा तथा जय श्रीराम और जय बजरंगबली के उद्घोष गूंजते रहे।

वार्षिकोत्सव के अवसर पर मंदिर में विराजमान एकादशमुखी हनुमान जी का विशेष श्रृंगार एवं महाआरती की गई। श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। आयोजन के दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि सिद्ध बाबा पहाड़ी स्थित यह मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। प्रथम वार्षिकोत्सव में मिले जनसमर्थन और श्रद्धालुओं की उपस्थिति से समिति उत्साहित है तथा भविष्य में भी धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा।

खबर संक्षेप

विश्व पर्यावरण दिवस पर बीपीएस गोहपारू ने शुरू किया जन जागरण अभियान

शहडोल। जिले के अंतर्गत गोहपारू में स्थित भगवती पब्लिक स्कूल (बीपीएस) द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के विशेष अवसर पर एक भव्य जन जागरण अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करना और शिक्षा के क्षेत्र में शासकीय योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है। कार्यक्रम के दौरान स्कूल प्रबंधन और स्टाफ ने पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुए 'एक पौधा मां के नाम' लगाने का आह्वान किया। इसके साथ ही, शासन के स्कूल चले अभियान के तहत बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और सभी अभिभावकों को अपने बच्चों का शत-प्रतिशत अपार आईडी पंजीयन कराने के लिए प्रेरित किया गया। जागरूकता रैली और गोष्ठी के माध्यम से अभिभावकों को समझाया गया कि बच्चों के भविष्य और शैक्षणिक रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने के लिए अपार आईडी का डिजिटल पंजीयन बेहद अनिवार्य है। स्कूल प्रबंधन और समस्त शैक्षणिक स्टाफ ने इस दौरान पूरी निष्ठा के साथ प्राथमिकता के आधार पर इस अभियान को सफल बनाने और हर बच्चे का पंजीयन समय पर पूरा करने का दृढ़ संकल्प लिया। इस मुहिम को स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों की ओर से भी बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ अवयव तस्करी के आरोपी की ट्रांसफर याचिका खारिज

उमरिया। सर्वोच्च न्यायालय ने मध्यप्रदेश में बाघों के अवैध शिकार एवं उनके अवयवों की अंतर्राष्ट्रीय तस्करी के आरोपी जामखानकाप निवासी थुम्पुई, जिला आइजोल (मिजोरम) की ट्रांसफर याचिका को खारिज कर दिया है। बाघ अवयवों की तस्करी से जुड़े अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क के विरुद्ध चल रही कार्रवाई की श्रृंखला में सर्वोच्च न्यायलय की यह कार्यवाही स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स की महत्वपूर्ण सफलता है। वन विभाग के अधिकारियों ने इसे वन्यजीव अपराधों के प्रभावी अभियोजन की दिशा में बड़ी सफलता बताया है। उल्लेखनीय है कि आरोपी एक वर्ष से अधिक समय से न्यायिक अभिरक्षा में है तथा मामले की विवेचना अभी जारी है। बालाघाट में बाघ का शिकार कर उसकी खाल एवं हड्डियों को अवैध रूप से खरीदकर असम और मिजोरम में बेचने तथा म्यांमार के रास्ते चीन तक तस्करी करने वाले संगठित गिरोह के विरुद्ध स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में हरियाणा निवासी आरोपी सोनू सिंह बावरिया को गिरफ्तार कर वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया है इस प्रकरण में अब तक 6 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। प्रकरण की विवेचना अभी जारी है। विवेचना में उजागर हुआ कि आरोपी जामखानकाप भी बाघ के अवयवों की खरीद-फरोख्त में शामिल था। आरोप है कि वह हवाला माध्यम से इसके बदले प्राप्त धनराशि भारत में पहुंचाने का कार्य करता था। आरोपी के विरुद्ध महाराष्ट्र के राजुरा वनमंडल में भी बाघ शिकार से संबंधित प्रकरण दर्ज है। इसके अलावा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उसके विरुद्ध मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में भी जांच की जा रही है।आरोपी जामखानकाप ने मध्यप्रदेश में चल रहे प्रकरण को महाराष्ट्र के चंद्रपुर न्यायालय में स्थानांतरित करने की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय में ट्रांसफर पिटीशन (क्रिमिनल) दायर की थी। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स द्वारा तैयार जवाब-दावा के आधार पर सर्वोच्च न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ ने मामले की सुनवाई की। न्यायालय ने यह माना कि दोनों प्रकरण अलग-अलग हैं तथा बाघों की अंतर्राष्ट्रीय तस्करी जैसे गंभीर विषय को दृष्टिगत रखते हुए याचिका को खारिज कर दिया।

शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी जरूरी: विधायक

खेलों से मिलता है आत्मविश्वास, अनुशासन और सफलता का मार्ग: कलेक्टर

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह 2026' का हुआ उत्साहपूर्ण समापन

उमरिया।

जिले में आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह 2026' का समापन समारोह उत्साह एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह एवं कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने खिलाडियों, प्रशिक्षकों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर शिविर में प्रशिक्षण देने वाले कोचों तथा प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण-पत्र एवं टी-शर्ट प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक शिव नारायण सिंह ने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं हैं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और टीम भावना के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले खिलाडियों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह 2026' का उद्देश्य बच्चों की खेल प्रतिभाओं को निखारना और उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराना था। शिविर के दौरान विभिन्न खेल विधाओं में विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा तकनीकी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे बच्चों में खेलों के प्रति रुचि और आत्मविश्वास का विकास हुआ है।

उन्होंने कहा कि खेल व्यक्ति को स्वस्थ,अनुशासित और सकारात्मक बनाते हैं तथा जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता प्रदान करते हैं। उन्होंने बच्चों को सलाह दी कि वे अपनी रुचि के किसी एक खेल को चुनकर समर्पण और मेहनत के साथ अभ्यास करें, जिससे सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होगी। कार्यक्रम में आशुतोष अग्रवाल ने कहा कि प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन, समर्पण और मेहनत से ही खिलाडियों की प्रतिभा निखरती है। समारोह के दौरान सभी प्रशिक्षकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों सहित सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं टी-शर्ट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सीताराम सत्या ने शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन कृष्णा झारिया ने किया। इस अवसर पर एसईसीएल के अधिकारी, प्रशिक्षक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे।

रक्तदान महादान-गर्भवती महिला की मदद को आगे आए रक्तदाता

उमरिया।

विकासखंड करकेली के ग्राम धनवार निवासी गर्भवती महिला आरती अगरिया को आकस्मिक रूप से रक्त की आवश्यकता पडऩे पर जिले के दो रक्तदाताओं ने मानवता का परिचय देते हुए तत्काल रक्तदान कर उनकी सहायता की। रक्तदाताओं नितेश द्विवेदी एवं बी.आर. राहंगडाले के इस सराहनीय प्रयास से महिला एवं उसके गर्भस्थ शिशु के सुरक्षित उपचार का मार्ग प्रशस्त हुआ। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस. चंदेल के निर्देशन में जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक अधिकारी एवं पैथोलॉजिस्ट डॉ. मुकुल तिवारी को जैसे ही रक्त की आवश्यकता की सूचना मिली, आवश्यक समन्वय कर रक्तदान की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। डॉ. मुकुल तिवारी ने बताया कि 9 जून को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करकेली में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने जिलेवासियों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान कर जरूरतमंदों की मदद करने की अपील की। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु के स्वस्थ व्यक्ति, जिनका हीमोग्लोबिन 12 ग्राम या उससे अधिक हो, रक्तदान कर किसी का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। रक्तदान के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस. चंदेल, ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. मुकुल तिवारी, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक रेखा वाधवानी, ब्लड बैंक तकनीशियन वीरेंद्र शर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

समर कैम्प में ब्राइटर माइंड्स कार्यक्रम का सफल आयोजन बच्चों ने सीखी एकाग्रता और स्मरण शक्ति की कला

उमरिया।

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक उमरिया विजय भागवानी, पीटीएस पुलिस अधीक्षक मुकेश वैश्य तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम के मार्गदर्शन में जिला पुलिस बल एवं पीटीएस उमरिया के संयुक्त तत्वावधान में पीटीएस ऑडिटोरियम में ब्राइटर माइंड्स कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस परिवार के 5 से 15 वर्ष आयु वर्ग के 65 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण प्रधान आरक्षक ऋतुराज सिंह, आरक्षक मुकेश विश्वकर्मा एवं हार्टफुलनेस प्रिसेप्टर प्रणाली पिसे द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षकों ने बच्चों को रोचक एवं प्रेरणादायक गतिविधियों के माध्यम से एकाग्रता,

स्मरण शक्ति, आत्मविश्वास और रचनात्मक सोच विकसित करने का प्रशिक्षण दिया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ब्लाइंडफोल्ड गतिविधियां रहीं, जिनमें बच्चों ने आंखों पर पट्टी बांधकर स्पर्श, गंध और ध्वनि के आधार पर रंगों एवं वस्तुओं की पहचान कर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। बच्चों की एकाग्रता और आत्मविश्वास ने उपस्थित अभिभावकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। न्यूरोप्लास्टिसिटी के विज्ञान पर आधारित ब्राइटर माइंड्स कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को ब्रेन एक्सरसाइज, श्वसन एवं रिलैक्सेशन तकनीक, आईबॉल एक्सरसाइज, ब्रेन एनरिचिंग म्यूजिक, सुपर मेमोरी गेम्स तथा लिंक मेथड जैसी गतिविधियों से जोड़ा गया। इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों के मस्तिष्क के दाएं और बाएं भाग के संतुलित विकास के साथ उनकी सीखने और समझने की क्षमता को बढ़ाना है।

अभिभावकों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक अभिनव एवं उपयोगी पहल बताया। कार्यक्रम के सफल संचालन में रक्षित निरीक्षक सी.के. तिवारी, सूबेदार अमित विश्वकर्मा, प्रधान आरक्षक हेमलाल, एमटीओ वैभव मिश्रा सहित अन्य स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रम

उमरिया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। ग्राम भरौला में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए तथा ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों और हरित वातावरण के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को अधिक से अधिक पौधारोपण करने, पौधों की नियमित देखभाल करने तथा स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाए रखने का संकल्प दिलाया गया। वक्ताओं ने कहा कि पौधे पर्यावरण को शुद्ध बनाने के साथ जैव विविधता और प्राकृतिक संतुलन के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर आशा कार्यकर्ता, साथिया, ब्रिगेड सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। दर्शन मेला कल्याण समिति के प्रशिक्षक प्रकाश असाटी ने भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

इसी क्रम में विकासखंड करकेली के ग्राम धवईझर में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा पर्यावरण संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में संभाग समन्वयक भीम सिंह डामोर, जिला समन्वयक रविन्द्र कुमार शुक्ला सहित समिति पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन शामिल हुए। संगोष्ठी में पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन और हरित वातावरण के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी देखभाल करने तथा जल संरक्षण को अपनाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत परिसर में अधिकारियों एवं ग्रामीणों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि, परामर्शदाता, पंचायत प्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

भाजपा मंडल राजनगर की मासिक कामकाजी बैठक सेमरा में संपन्न

कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने थामा भाजपा का दामन

हरिभूमि न्यूज राजनगर। 05 जून को भारतीय जनता पार्टी मंडल राजनगर की मासिक कामकाजी बैठक ग्राम सेमरा में संपन्न हुई। बैठक मे मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के कोषाध्यक्ष विवेक बियानी एवं राजनगर मंडल प्रभारी अमृतलाल केवट के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक विषयों, आगामी कार्यक्रमों तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा तथा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जनहितकारी नीतियों एवं विकास कार्यों से प्रभावित होकर ग्रामपंचायत फुलकोना व नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के कांग्रेस के कई साथियों ने कांग्रेस पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा मंडल राजनगर के अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी के नेतृत्व में भाजपा कि सदस्यता ग्रहण करने वालों में प्रमुख रूप से नगर परिषद बनगवां राजनगर के वार्ड पार्षद मनोज चंदेल, ग्राम पंचायत फुलकोना के पारस अहिरवार, दलपत सिंह पाव, गेंदालाल पाव एवं मोहित राम पाव शामिल रहे। नवप्रवेशी सदस्यों का भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्पमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। बैठक में गजेंद्र सिंह सिकरवार वरिष्ठ भाजपा नेता, सुरेश गौतम पूर्व मंडल अध्यक्ष, राजेश कलसा पूर्व मंडल अध्यक्ष, यशवंत सिंह अध्यक्ष नगर परिषद बनगवां (राजनगर), डॉ.सुनील कुमार चौरसिया अध्यक्ष नगर परिषद डूमरकछार, श्यामसुंदर गौतम वरिष्ठ भाजपा नेता, जनार्दन प्यासी, विष्णु मिश्रा, केदार महराज, श्रीमती तीजन बाई सरपंच ग्राम पंचायत सेमरा, मनोज सिंह विधानसभा मीडिया प्रभारी, कोतमा, पंकज कुमार शर्मा मंडल मीडिया प्रभारी, मंडल के पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र प्रभारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर फलदार पौधों का रोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा विकासखंड अनूपपुर के सेक्टर क्रमांक-04 जमुना कालरी में व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि तथा आमजन को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपायों में से एक है। पेड़ न केवल वातावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि जैव विविधता के संरक्षण, भूजल स्तर बनाए रखने तथा मानव जीवन को स्वस्थ बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रतिभागियों ने पौधों की नियमित देखभाल करने तथा अपने आसपास के लोगों को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में नवांकुर संस्था पसान की सचिव अन्नपूर्णा देवी, परामर्शदाता शिवानी सिंह, प्रस्फुटन समिति पसान के अध्यक्ष एवं समिति सदस्यों सहित सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं पारस मुखर्जी, शुभांषी, अंजलि जायसवाल एवं नमरा फातिमा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण हेतु सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया तथा सभी प्रतिभागियों से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाने और उसकी देखभाल करने का आग्रह किया गया।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग का ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

1 मई से 30 मई तक संचालित हुआ समर कैंप

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र के अंतर्गत खेल एवं युवा कल्याण विभाग अनूपपुर मध्यप्रदेश के तत्वाधान में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह 2026 का कार्यक्रम 1 माह तक चला। इस खेल प्रशिक्षण अभियान का समापन गुरुवार को पुरस्कार वितरण सम्मान समारोह के साथ संपन्न हुआ। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के वार्ड क्रमांक 9 दुर्गा पंडाल में 1 मई से 30 मई तक खेल युवा कल्याण विभाग अनूपपुर द्वारा समर कैंप का आयोजन कराया गया था। जिसमें नगर क्षेत्र के सैकड़ो बच्चे इस प्रशिक्षण में आकर खेल का प्रशिक्षण एवं खेल के विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें 5 वर्ष से लेकर 15 वर्ष तक के आयु के बच्चों ने खेल

के गुण सिखे। प्रत्येक वर्ष गर्मी में युवा कल्याण विभाग द्वारा इस समर कैंप का आयोजन किया जाता रहा है। क्षेत्र एवं राज्य स्तरीय प्रशिक्षित कोचो और शिक्षकों द्वारा सभी बच्चों को प्रशिक्षित किया जाता रहा है। गुरुवार के दिन इस खेल का समापन का कार्यक्रम रहा। शाम 7:00 बजे खेल मैदान में नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के अध्यक्ष यशवंत सिंह, लखन लाल पनिका मुख्य नगर पालिका अधिकारी बनगवां (राजनगर), सुमित कौशिक थाना प्रभारी रामनगर, रामचंद्र यादव (सचिव) खेल एवं युवा कल्याण विभाग, गजेंद्र सिंह सिकरवार वरिष्ठ भाजपा नेता, धर्मेंद्र सिंह, जेपी श्रीवास्तव वरिष्ठ कांग्रेस नेता इंटक महामंत्री हसदेव क्षेत्र, राजेंद्र त्रिपाठी पूर्व मंडल अध्यक्ष, संजय सिंह वरिष्ठ नेता श्रमिक संगठन एटक, विनोद तिवारी अध्यक्ष तुर्रा धाम, रामाश्रय यादव वरिष्ठ कांग्रेस नेता, संजय सालोमन खेल प्रेमी, कमलेश चतुर्वेदी मंडल अध्यक्ष, संगीता माली अध्यक्ष मंडल महिला मोर्चा भाजपा, समय पटेल पार्षद, गिरिजा विश्वकर्मा, विक्रात प्रताप सिंह, आलोक सिंह, विकास प्रताप सिंह, जितेंद्र पनिका पार्षद पति एवं वालीबाल रेफरी, रामजी बिंद, पंकज उपाध्याय एवं नगर के गणमान्य नागरिक, तथा नगर के व क्षेत्र के खिलाड़ी एवं पत्रकार अमित सेन गुप्ता, अखंड प्रताप सिंह, बीएल सिंह, श्रीमती सुमिता शर्मा, श्रीमती रीना शर्मा, उपस्थित रहे। समापन के दौरान समर कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी बच्चो एवं विजेता टीमों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। समिति द्वारा सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ एंव बैच लगाकर सम्मानित किया गया है। इस दौरान यशवंत सिंह अध्यक्ष नगर परिषद बनगवां (राजनगर), लखन लाल पनिका मुख्य नगर पालिका अधिकारी बनगवां (राजनगर) के द्वारा कार्यक्रम समापन के पश्चात सभी खिलाड़ियों को स्वल्पाहार तथा भोजन कराया गया।

खबर संक्षेप

जगह जगह पौधों किया गया रोपण

कोतमा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जमुना कालरी में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि तथा आमजन को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपायों में से एक है। पेड़ न केवल वातावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि जैव विविधता के संरक्षण, भूजल स्तर बनाए रखने तथा मानव जीवन को स्वस्थ बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा किसानों को सतत कृषि पद्धतियों के लिए प्रेरित करना था। वन परिक्षेत्र कोतमा अंतर्गत विश्व पर्यावरण के अवसर पर वन परिक्षेत्र कोतमा परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। जहां लगभग एक दर्जन से अधिक फलदार एवं छायादार पौधो का रोपण किया गया। इस अवसर पर वन परिक्षेत्र अधिकारी हरीश तिवारी, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी जेडी धारवे, राजमणि सिंग, रमेश अहिरवार, मनोज कुमार, कुशल मानिकपुरी, बिहारीलाल, आकाश सोनी, शिव साहू, विमला मरावी, दीपक बैगा सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोगों को नहीं मिल पा रही भीषण गर्मी से राहत

कोतमा। नौतपा समाप्त होने के बाद भी लोगों को भीषण गर्मी से राहत नही मिल पा रही है। लोगों को अब मानसून आने का बेसब्री से इंतजार है। कोतमा नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र में इन दिनों भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी है, जिससे अधिकतम तापमान 38 से 40 के पार पहुंच गया है। चिलचिलाती धूप और बादलों की लुकाछिपी के बीच उमस ने लोगों का हाल बेहाल कर रखा है। जिससे स्थानीय नागरिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाओं (लू) के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है। शनिवार को आसमान में बादलों की आवाजाही (लुकाछिपी) से गर्मी कम होने के बजाय हवा में नमी उमस बढ़ जाती है, जिससे लोगों को काफी बेचैनी महसूस होती है। भीषण गर्मी से हाल यह है कि पंखा कूलर एसी भी काम नही कर रहे हैं।भीषण गर्मी को देखते हुए डॉक्टरों और मौसम वैज्ञानिकों की सलाह है कि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक घरों से बाहर न निकलें, पर्याप्त पानी पिएं और खुद को धूप से बचाकर रखें।

मलगा एवं सीएम राइज कुहका-खोडरी में आयोजित हुआ विशेष शिविर

बदरा/जमुना। कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन तथा जिला शिक्षा अधिकारी टी.आर. आर्मो एवं जिला परियोजना समन्वयक आशुतोष कुशवाहा के निर्देशन में जिले में संचालित मेगा अपार दिवस अभियान के अंतर्गत 6 जून को विकासखंड अनूपपुर के शासकीय विद्यालय मलगा एवं सीएम राइज विद्यालय कुहका-खोडरी में विशेष अपार आईडी निर्माण शिविर का आयोजन किया गया। विकासखंड स्तर पर अभियान की मॉनिटरिंग बीआरसी राजमणि पांडे द्वारा की गई। शिविर में अपार आईडी से वंचित विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन कर उनकी अपार आईडी जनरेट करने की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई। साथ ही विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को अपार आईडी की उपयोगिता, डिजिटल शैक्षणिक पहचान तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत इसके महत्व की जानकारी प्रदान की गई। शिविर के दौरान विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। शिक्षकों ने अभिभावकों को अपार आईडी निर्माण हेतु आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देते हुए प्रक्रिया में सहयोग प्रदान किया। जिन विद्यार्थियों के आधार कार्ड अथवा अन्य अभिलेखों में त्रुटियां पाई गईं, उनके सुधार संबंधी आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया गया। जिला शिक्षा अधिकारी टी.आर. आर्मो ने बताया कि जिले में 30 जून तक प्रत्येक शनिवार को मेगा अपार दिवस का आयोजन किया जाएगा, जिससे सभी विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत अपार आईडी तैयार की जा सके। ‘

आंदोलन की चेतावनी के 72 घंटे के भीतर शुरू हुआ निर्माण कार्य

वार्डवासियों की एकजुटता के आगे झुका प्रशासन

नगर पालिका धनपुरी के वार्ड क्रमांक 22 में महीनों से बंद पड़े नाली एवं कल्वर्ट निर्माण कार्य को लेकर शुरू हुआ जनआंदोलन आखिरकार सफल रहा। तीन दिन के भीतर कार्य प्रारंभ नहीं होने पर धरना-प्रदर्शन और चक्का जाम की चेतावनी देने वाले वार्डवासियों की एकजुटता के आगे प्रशासन को झुकना पड़ा।

धनपुरी।

शनिवार 6 जून को नगरपालिका प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए निर्माण कार्य शुरू करा दिया, जिससे क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है।वार्ड क्रमांक 22 में लंबे समय से नाली और कल्वर्ट निर्माण अधूरा पड़ा था। निर्माण एजेंसी द्वारा कार्य बंद कर दिए जाने से क्षेत्र में जल निकासी की समस्या गंभीर रूप धारण कर रही थी। बरसात सिर पर होने के कारण लोगों को आशंका थी कि थोड़ी सी बारिश में ही सड़कों और घरों के आसपास पानी भर जाएगा। कई बार शिकायतों के बावजूद जब समाधान नहीं हुआ तो वार्डवासियों का आक्रोश फूट पड़ा।बुधवार को बड़ी संख्या में नागरिकों ने नगरपालिका अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर स्पष्ट चेतावनी दी थी कि यदि तीन दिवस के भीतर निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया तो 8 जून को नगरपालिका कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन कर चक्का जाम किया जाएगा। नागरिकों की इस चेतावनी ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए थे।जनदबाव बढ़ते ही नगरपालिका प्रशासन सक्रिय हुआ और शनिवार को मौके पर निर्माण कार्य प्रारंभ करा दिया गया। पहले से बनी संकरी और अनुपयुक्त नाली को तोड़कर नई एवं चौड़ी नाली के निर्माण का कार्य शुरू किया गया है। साथ ही कल्वर्ट निर्माण की प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है ताकि बरसात के पहले जल निकासी की व्यवस्था सुचारु हो सके।क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं बल्कि पूरे

वार्ड की एकता और जागरूकता की जीत है। यदि नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर संगठित होकर आवाज उठाएं तो प्रशासन को भी जवाबदेह बनना पड़ता है। वार्डवासियों ने कहा कि अब अन्य वार्डों के लोगों को भी अपने क्षेत्रों की समस्याओं को लेकर इसी तरह सजग और सक्रिय होना चाहिए।नगरपालिका क्षेत्र में अनेक वार्ड आज भी सड़क, नाली, पेयजल और सफाई जैसी मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे हैं। वार्ड क्रमांक 22 का उदाहरण बताता है कि जनप्रतिनिधियों और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए नागरिकों की सहभागिता और एकजुटता बेहद जरूरी है। लोकतंत्र में जनता की संगठित आवाज ही सबसे बड़ी ताकत होती है।जनता की ताकत का उदाहरण बना वार्ड 22वार्ड क्रमांक 22 के नागरिकों ने साबित कर दिया कि यदि जनता अपनी समस्याओं को लेकर गंभीर हो जाए तो वर्षों से लंबित कार्य भी कुछ ही दिनों में शुरू हो सकते हैं। अब क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि निर्माण कार्य शीघ्र पूरा होगा और बरसात में जलभराव की समस्या से स्थायी राहत मिलेगी। यह घटनाक्रम पूरे नगर के लिए एक संदेश है कि जागरूक नागरिक ही विकास की असली नींव होते हैं।

गुप्ता फीलिंग स्टेशन ब्योहारी में विगत दिनों हुई मारपीट की घटना के खिलाफ एस डी एम ब्योहारी को सौंपा ज्ञापन

ब्योहारी। नगर के गुप्ता फीलिंग स्टेशन जनपद पंचायत ब्योहारी के सामने जहां 30मई को रात 10:30 बजे दलबीर पटेल पिता रामसुफल पटेल उक्त पेट्रोल पंप पर पहुंचा और पेट्रोल की मांग करने लगा तो पंम्प कर्मचारी ने बताया कि पेट्रोल पंप तेल खत्म हो गया है इस पर भड़क गया गाली गलौज करने लगा पंम्प कर्मचारी के साथ हाथापाई शुरू हो गई पेट्रोल पंप के अन्य कर्मचारियों ने बीच-बचाव किया इस घटना की रिपोर्ट थाना ब्योहारी में दर्ज कराई गई जिस पर पुलिस जांच कर रही है इस घटना के बाद चार जून को एस डी एम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा गया जिसमें तीन दिन के अंदर कारवाई करने की मांग की गई है और माग न पूरी होने पर धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी है इस घटना के संबंध में जब गुप्ता पेट्रोल पंप के कर्मचारियों से घटना के संबंध में बात की गई तो अरुणोदय व्दुवेदी ने बताया कि पेट्रोल पंप पर पेट्रोल खत्म था और दलबीर पटेल काफी नशे में धुत होकर मां बहन की गाली देने लगे और बोले कि भीम आर्मी का सदस्य हु अभी पेट्रोल पंप बंद करवा दुगा और साथी कर्मचारी से हाथापाई पर उतर आए मेरे व्दारा बीच बचाव कर मामला शांत कराया गया किसी पेट्रोल पंप कर्मचारी ने मारपीट नही जो आरोप लगाया जा रहा वह निराधार है दूसरे आरोपी कर्मचारी ने बताया कि मामूली घटना थी जिस कुछ राजनीतिक दलों के नेता वेवजह तूल दिया जा रहा है शोसल मीडिया पर अभद्र.भाषा का उपयोग कर गाली गलौज दी जा रही है जान से मारने की धमकी दी जा रही है जिसकी शिकायत पेट्रोल पंप कर्मचारी ने पुलिस अधीक्षक से जान-माल की सुरक्षा की मांग निष्पक्ष जांच मांग की गई अब देखने वाली बात होगी कि पुलिस अधीक्षक इस शिकायत पर क्या कार्रवाई होती है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ पौधा रोपण कार्यक्रम

ब्यौहारी

विकासखंड के अंतर्गत 5 जून 2026 को सेक्टर 03 भोलहरा अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस पर मऊ, भन्नी,भमरहा में पौधा रोपण किया गया जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडेय के निर्देशन तथा विकासखंड समन्वयक शिवदत्त उरमलिया के मार्गदर्शन में जय बजरंग जन विकास समिति भमरहा द्वितीय, सेक्टर-03 भोलहरा, विकासखंड ब्यौहारी के अध्यक्ष सुखेंद्र गुप्ता , राम लखन गुप्ता के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में ग्राम पंचायत भमरहा द्वितीय के सरपंच आरती गुप्ता ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति मऊ अध्यक्ष दरबारीलाल राठौर भन्नी से अध्यक्ष अतुल सिंह, भमरहा से अध्यक्ष रामखेलावन सिंह और सदस्यगण एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण किया तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया।इस अवसर पर समिति के संस्था प्रमुख सुखेंद्र प्रसाद गुप्ता ने उपस्थित ग्रामीणों को पर्यावरण के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि वृक्ष मानव जीवन के आधार हैं। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना समय की आवश्यकता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने किया पौधारोपण

ब्यौहारी-नगर परिषद के अंतर्गत5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी शिवांगी पांडे ने मुक्तिधाम पहुंचकर पौधारोपित किया उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को धरती को हरा भरा करने के लिए साल में काम से कम 5 पेंड लगाने चाहिए उनके साथ नगर पालिका की उपाध्यक्ष चंद्रकली पटेल, पार्षद , एल्डरमैन एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

विभिन्न स्थानों पर किये गये पौधे रोपित

विश्व पर्यावरण दिवस पर ब्यौहारी विकासखंड एवं नगर परिषद के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर पौधे रोपित कर धरती को हरा भरा बनाने का संकल्प लिया गया । नगर परिषद में पर्यावरण दिवस पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी शिवांगी पांडे ने मुक्तिधाम पहुंचकर पौधारोपित किया उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को धरती को हरा भरा करने के लिए साल में काम से कम 5 पेंड लगाने चाहिए उनके साथ नगर पालिका की उपाध्यक्ष चंद्रकली पटेल, पार्षद , एल्डरमैन एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे । अनुसूचित जनजाति छात्रावास में जन अभियान परिषद द्वारा ब्लॉक समवन बैक शिवदत्त उरमालिया के निर्देशन में न्यू बरौंधा वार्ड 9 ब्यौहारी के छात्रावास में कटहल अमरूद एवं दाहिमन के पांच पौधे लगाए गए वृक्षारोपण किया गया1,,, पौधारोपण कार्यक्रम में उपस्थित शिवदत्त उरमालिया ब्लॉक समन्वयक जन अभियान परिषद, वार्ड पार्षद धर्मेंद्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी एवं पत्रकार जगत से जुड़े डां अशोक तिवारी ,छात्रावास के अधीक्षक अवध बहरोलिया एव परामर्श दाता हीरालाल र्साहू, सुदामा गुप्ता , दीप नारायण साहू उपस्थित रहे कार्यक्रम में अयोध्या जन विकास समिति देवराव एवं प्रस्फुटन समिति सरवाही कला द्वारा सहयोग किया गया जन अभियान समिति के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर ब्यौहारी विकासखंड की नवांकुर समितियां , और प्रस्फुटन समितियां ने भी विभिन्न स्थानों पर पौधे रोपित किया यह कार्यक्रम पूरे जुलाई तक चलेगा इसलिए लोग ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर "एक पेड़ मां के नाम " अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

बिरसिहपुर पाली उमरिय

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में सक्षम शक्ति संगठन द्वारा संचालित कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के समर क्लासेस में विद्या भारती सीबीएसई विद्यालय परिसर में बच्चों एवं प्रशिक्षकों के साथ पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी बच्चों को पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षों के महत्व के बारे में जागरूक किया गया तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का संकल्प दिलाया गया।कार्यक्रम में सक्षम शक्ति संगठन की संस्थापिका एवं अध्यक्ष इं माधवी सिंह सहित अन्य पदाधिकारी श्रीमती सुधा विश्वकर्मा, श्रीमती गरिमा शर्मा, श्रीमती सारिका नामदेव एवं विद्यालय के प्राचार्य डॉ राजेश द्विवेदी एवं प्रधानाचार्य श्री दयानंद शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने बच्चों के साथ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में बच्चों एवं प्रशिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए एक पेड़, एक जीवन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

महिला से दुष्कर्म करने वाले को पुलिस ने दबोचा

बुढ़ार।

बुढ़ार पुलिस ने मुस्तैदी और तत्परता दिखाते हुए महिला से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर तत्काल मामला दर्ज कर आरोपी को 24 घंटे के भीतर सलाखों के पीछे पहुँचा दिया है।

बाउंड्री कूदकर घुसा था घर में आरोपी

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 05.जून को एक 20 वर्षीय पीड़िता ने अपने परिजनों के साथ थाना बुढ़ार उपस्थित होकर लिखित/मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई।

पीड़िता ने बताया कि दिनांक 03.जून की रात्रि में गांव का ही रहने वाला रामप्रसाद बैगा जबरन उनके घर की बाउंड्री कूदकर आंगन के रास्ते अंदर घुस आया। इसके बाद आरोपी ने पीड़िता के साथ जबरदस्ती करते हुए दुष्कर्म

(बलात्कार) की वारदात को अंजाम दिया और घटना के बाद मौके से फरार हो गया।

शिकायत मिलते ही पुलिस ने दी दबिश

पीड़िता द्वारा घटना की आपबीती बताते ही बुढ़ार नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार ने मामले की गंभीरता को समझा। पीड़िता की शिकायत पर आरोपी रामप्रसाद बैगा के विरुद्ध तत्काल विभिन्न सुसंगत धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और वैधानिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

थाना प्रभारी बुढ़ार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संभावित ठिकानों पर दबिश दी और आरोपी को घेराबंदी कर हिरासत में ले लिया।

आरोपी रामप्रसाद बैगा (उम्र 29 वर्ष) पिताः स्व. निंद्रा बैगा निवासीः ग्राम सरईकांपा, वार्ड नं.16,थाना बुढ़ाय इस टीम की रही सराहनीय भूमिका,इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विनय सिंह गहरवार के नेतृत्व मेंउपनिरीक्षक शोभा नामदेव,प्रधान आरक्षक (प्र.आ.)ः शंकर प्रजापति,महिला प्रधान आरक्षक (म.प्र.आर.)ः बसंता सिंह,महिला आरक्षक (म.आर.)ः कल्पना धुर्वे चालक आरक्षकः प्रभात सिंह पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

सेवा और समर्पण का महाकुंभ: बुढ़ार में जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने किया समाजसेवियों और पत्रकारों का अभिनंदन

होटल राजवाड़ा में आयोजित गरिमामयी समारोह बना सामाजिक चेतना और प्रेरणा का उत्सव; समाजसेवियों के योगदान को सराहा

बुढ़ार। समाज सेवा, जनजागरण और मानवीय मूल्यों के संवर्धन को समर्पित एक गरिमामयी सम्मान समारोह का आयोजन स्थानीय होटल राजवाड़ा में किया गया। इस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित माननीय जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने समाजसेवा एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तित्वों को सम्मानित कर उनके कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की।

यह आयोजन केवल एक सम्मान समारोह नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की एक प्रेरक मिसाल बनकर उभरा, जिसने बुढ़ार की सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना को नई ऊंचाइयों पर पहुँचा दिया।

प्रमुख सम्मान और विशिष्ट योगदान–समारोह के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में निस्वार्थ भाव से कार्य करने वाली विभूतियों को जिला न्यायाधीश के करकमलों से सम्मानित किया गया।

सत्य प्रकाश सेठिया “राजू सेठिया” (संयोजक, सेठिया सेवा संस्थान)ः समाज सेवा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए इन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। जिला न्यायाधीश श्री खान ने कहा कि चिकित्सा, जरूरतमंदों की सहायता और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में राजू जी का निःस्वार्थ योगदान अनुकरणीय है।बड़ी घोषणाः सम्मान से अभिभूत होकर राजू सेठिया ने मंच से घोषणा की कि वे जल्द ही सभी के मोरल सपोर्ट से जरूरतमंद बच्चों के लिए निःशुल्क कोचिंग के जरिए शिक्षा के क्षेत्र में भी कदम बढ़ाने जा रहे हैं।बड़ी घोषणाः सम्मान से अभिभूत होकर राजू सेठिया ने मंच से घोषणा की कि वे जल्द ही सभी के मोरल सपोर्ट से जरूरतमंद बच्चों के लिए निःशुल्क कोचिंग के जरिए शिक्षा के क्षेत्र में भी कदम बढ़ाने जा रहे हैं।

रवि गुप्ता (रक्तवीर)ः अब तक 65 बार रक्तदान करने वाले महादानी रवि गुप्ता को सम्मानित कर समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

वरिष्ठ पत्रकार मोहन नामदेवः जिला न्यायाधीश ने इन्हें पत्रकारिता का मजबूत स्तंभ बताते हुए कहा कि इनके अनुभव भावी पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक हैं। युवा पत्रकार आशीष नामदेवः इन्हें जनसरोकारों की सशक्त और मुखर आवाज के रूप में सराहा गया। पत्रकार गंगाधर चौधरीः जमीनी मुद्दों को प्रमुखता से उठाने वाले समर्पित पत्रकार के रूप में इनका अभिनंदन किया गया।

पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संकल्प– चूंकि यह आयोजन विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हुआ, इसलिए समारोह में उपस्थित सभी सदस्यों ने केवल औपचारिकता न निभाते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझी। सभी ने सामूहिक रूप से एक-एक पेड़ गोद लेने का संकल्प लिया, जिसकी उपस्थित जनसमूह ने भूरी-भूरी प्रशंसा की।

“समाज के सजग प्रहरी हैं पत्रकार” – जिला न्यायाधीश– समारोह को संबोधित करते हुए माननीय जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने कहाः

”पत्रकार समाज के सजग प्रहरी होते हैं, जो अपनी उत्कृष्ट लेखनी से समाज को समस्याओं के साथ-साथ उनके समाधान भी सुझाते हैं। जब समाज के जागरूक नागरिक, समाजसेवी और पत्रकार एक साथ मिलकर कार्य करते हैं, तब विकास और जनकल्याण की नई राहें प्रशस्त होती हैं।”

गणमान्य नागरिकों की रही गरिमामयी उपस्थिति– समारोह का वातावरण बेहद आत्मीयता और सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना से ओतप्रोत रहा। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप सेः

प्रवीण जैन “बीनू”, राकेश गुप्ता, विजय ताम्रकार, हारुन अंसारी (एडवोकेट), पवन सोनी, अनिल गुप्ता, प्रतीक गुप्ता, विजय खरे, राजकुमार गुप्ता, गिलीन अहमद, बच्चू गुप्ता, अमित सोनी एवं श्रीकृष्ण गुप्ता सहित भारी संख्या में प्रबुद्धजन शामिल थे।

उपस्थित जनसमूह ने माना कि यह समारोह आने वाली पीढ़ी को समाज कल्याण के मार्ग पर चलने के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा।

बनगवां राजनगर में वृक्षारोपण हुआ

राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर वार्ड क्रमांक 2 में यशवंत सिंह अध्यक्ष नगर परिषद बनगवां (राजनगर), लखन लाल पनिका मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद बनगवां (राजनगर), नगर के जनप्रतिनिधि, नगर परिषद के कर्मचारी गण, पत्रकारों की उपस्थिति में एक पेड़ मां के नाम अभियान के रूप में उद्यान में फलदार वृक्ष लगाकर विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया गया। इस विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कर संरक्षण का संकल्प लिया गया। वर्तमान समय में जंगल के सिकुड़ जाने से व पेड़ काटे जाने से जलवायु परिवर्तन हो रहा है। कभी अधिक गर्मी, कभी अधिक वर्षा, कभी वर्षा का भारी अभाव, की घटना जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। जंगल में तथा अपने आस पास पौधा लगाकर प्रकृति को हरा भरा कर सकें।

ओडिशा से अनूपपुर तक गांजे का काला गलियारा

300 किलो की खेप पकड़ी गई, तो क्या असली सरगना अब भी पर्दे के पीछे?

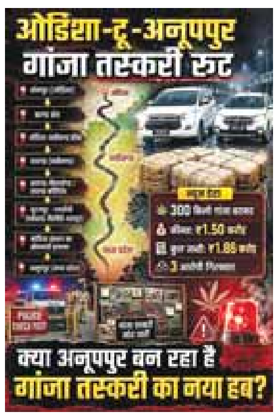

ओडिशा के जंगलों से निकली 300 किलो गांजे की खेप छत्तीसगढ़ में पकड़ी गई, लेकिन इस कार्यवाही ने एक बड़े सवाल को जन्म दे दिया है आखिर अनूपपुर ही बार-बार तस्करों की मंजिल क्यों बन रहा है? पुलिस ने तीन आरोपियों, दो लग्जरी वाहनों और करोड़ों की संपत्ति को जब्त कर लिया है, मगर इस नेटवर्क के असली संचालक अब भी कानून की पकड़ से बाहर दिखाई देते हैं। यह मामला केवल तस्करी का नहीं, बल्कि एक संगठित नशा सिंडिकेट की संभावित मौजूदगी का संकेत है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

देश में नशे के खिलाफ लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन तस्करों के नेटवर्क भी उतनी ही तेजी से नए रास्ते और नए ठिकाने तलाश रहे हैं। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पकड़ी गई 300 किलो गांजे की खेप ने मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले को राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में ला दिया है। सवाल इसलिए गंभीर है क्योंकि यह कोई पहली घटना नहीं है जब नशीले पदार्थों की बड़ी खेप का कनेक्शन अनूपपुर से जुड़ा हो। तस्करी का यह कारोबार केवल माल ढुलाई तक सीमित नहीं होता। इसके पीछे करोड़ों रुपये का निवेश, सुरक्षित ट्रांजिट रूट, स्थानीय संपर्क, रिसीविंग नेटवर्क और वितरण तंत्र काम करता है। पुलिस कार्रवाई ने तस्करी की एक परत जरूर खोली है, लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि केवल वाहनों के चालक और कैरियर ही गिरफ्त में आते रहेंगे, तो असली नेटवर्क कभी खत्म नहीं होगा। अनूपपुर कनेक्शन की जांच अब केवल एक आपराधिक मामला नहीं, बल्कि सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती बन चुका है।

अनूपपुर क्यों बन रहा है तस्करों की पसंदीदा मंजिल?

ओडिशा से निकलकर छत्तीसगढ़ होते हुए मध्य प्रदेश पहुंचने वाला यह मार्ग कोई आकस्मिक रास्ता नहीं माना जा सकता। जब एक के बाद एक मामलों में अनूपपुर का नाम सामने आने लगे, तो यह सवाल स्वाभाविक हो जाता है कि आखिर यहां ऐसी कौन-सी परिस्थितियां मौजूद हैं जो तस्करों को आकर्षित कर रही हैं। क्या यह जिला केवल ट्रांजिट प्वाइंट है या फिर यहां ऐसा वितरण नेटवर्क मौजूद है जो माल को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर आसपास के जिलों और राज्यों तक पहुंचाता है? जांच एजेंसियों को अब इस दिशा में गहराई से पड़ताल करनी होगी।

तस्कर गिरफ्तार, लेकिन मास्टरमाइंड अब भी गायब

देशभर में नशीले पदार्थों की बड़ी बरामदगी के मामलों में एक समान प्रवृत्ति देखने को मिलती है। कार्रवाई के दौरान ड्राइवर, कैरियर और छोटे स्तर के ऑपरेटर पकड़े जाते हैं, जबकि वित्तीय निवेश करने वाले और पूरे नेटवर्क को नियंत्रित करने वाले चेहरे सामने नहीं आते। रायगढ़ पुलिस ने सराहनीय कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, लेकिन यह जांच का अंत नहीं बल्कि शुरुआत है। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि करोड़ों रुपये की खेप का वास्तविक मालिक कौन है और उसे अनूपपुर में किसे सौंपा जाना था?

युवाओं तक पहुंचता नशे का जहर

गांजा तस्करी का मामला केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है। इसके दूरगामी सामाजिक परिणाम भी हैं। जिस माल को पुलिस ने रास्ते में पकड़ लिया, यदि वह अपने गंतव्य तक पहुंच जाता तो संभवतः हजारों छोटी पुड़ियों में बदलकर युवाओं तक पहुंचता। गांवों, कस्बों और शहरी इलाकों में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पहले ही चिंता का विषय बनी हुई है। ऐसे में यह मामला केवल तस्करों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि नशे की मांग पैदा करने वाले सामाजिक कारणों और उसके वितरण नेटवर्क पर भी गंभीर कार्रवाई होनी चाहिए। डबल नंबर प्लेट ने खोली नेटवर्क की नई परत

इनोवा क्रिस्टा में मिली दोहरी नंबर प्लेट इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण संकेत मानी जा रही है। यह दर्शाता है कि तस्कर केवल परिवहन नहीं कर रहे थे, बल्कि पहचान छिपाने और जांच एजेंसियों को भ्रमित करने की भी पूरी तैयारी थी। संगठित अपराध की दुनिया में ऐसी तकनीकें तब अपनाई जाती हैं जब नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय हो और उसके पास संसाधनों की कमी न हो। इससे यह आशंका भी मजबूत होती है कि तस्करी का यह प्रयास कोई एकल घटना नहीं, बल्कि लगातार चल रहे कारोबार की एक कड़ी हो सकता है।

अब जांच की असली परीक्षा शुरू

रायगढ़ पुलिस द्वारा गठित विशेष टीम का अनूपपुर और सरगुजा की ओर रवाना होना इस मामले की गंभीरता को दर्शाता है। आने वाले दिनों में जांच का केंद्र बरामद गांजे से अधिक उस नेटवर्क की पहचान होगी, जो इस पूरी सप्लाई चेन को संचालित कर रहा था। यदि पुलिस केवल गिरफ्तार आरोपियों तक सीमित रहती है तो मामला कुछ दिनों में ठंडा पड़ सकता है। लेकिन यदि वित्तीय लेन-देन, कॉल रिकॉर्ड, मोबाइल डेटा और स्थानीय संपर्कों की गहराई से जांच होती है, तो संभव है कि इस तस्करी नेटवर्क के कई बड़े नाम सामने आएं। 300 किलो गांजे की बरामदगी निश्चित रूप से बड़ी सफलता है, लेकिन असली उपलब्धि तब मानी जाएगी जब यह पता चल सके कि ओडिशा से निकली करोड़ों रुपये की खेप अनूपपुर में किसके लिए भेजी जा रही थी। यह मामला केवल तीन आरोपियों की गिरफ्तारी का नहीं, बल्कि उस पूरे तंत्र को बेनकाब करने का अवसर है जो नशे के कारोबार को फलने-फूलने देता है। देश अब यह जानना चाहता है कि क्या जांच एजेंसियां इस बार केवल खेप पकड़ेंगी, या फिर उस अदृश्य नेटवर्क तक भी पहुंचेंगी जो इस काले कारोबार का असली संचालक है।

अमृत भारत योजना में भ्रष्टाचार की बू

अनूपपुर रेलवे स्टेशन के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भारतीय रेलवे को देश में गुणवत्ता, विश्वसनीयता और तकनीकी उत्कृष्टता का प्रतीक माना जाता है, लेकिन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अनूपपुर रेलवे जंक्शन में अमृत भारत योजना के तहत कराए जा रहे निर्माण कार्य अब सवालों के घेरे में हैं। करोड़ों रुपये की लागत से किए जा रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर नगर पालिका परिषद अनूपपुर के पूर्व उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जीवेन्द्र सिंह ने गंभीर आरोप लगाए हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से उन्होंने रेलवे स्टेशन परिसर में हो रहे निर्माण कार्यों को गुणवत्ता विहीन बताते हुए संबंधित इंजीनियरों और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जिस सड़क का निर्माण हाल ही में किया गया था, वह बनते ही उखड़ने लगी है। स्टेशन परिसर में लगाई गई नई टाइल्स कई स्थानों पर टूट चुकी हैं, जबकि यात्रियों की सुविधा के लिए स्थापित की गई प्रकाश व्यवस्था की लाइटें दो माह के भीतर ही जवाब देने लगी हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि स्टेशन परिसर में लाखों रुपये खर्च कर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए विशाल ध्वज स्तंभ तो स्थापित कर दिया गया, लेकिन वहां तिरंगा ध्वज ही नहीं दिखाई दे रहा है। स्थानीय नागरिक इसे राष्ट्रीय सम्मान और सरकारी धन दोनों के प्रति लापरवाही का उदाहरण मान रहे हैं। नगरवासियों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य पूर्ण होने के कुछ ही समय बाद अपनी गुणवत्ता खोने लगें, तो यह केवल तकनीकी खामी नहीं बल्कि भ्रष्टाचार और लापरवाही की ओर भी संकेत करता है।

सवाल यह उठ रहा है कि निर्माण कार्यों की तकनीकी स्वीकृति किस आधार पर दी गई और गुणवत्ता परीक्षण की जिम्मेदारी निभाने वाले अधिकारी आखिर क्या कर रहे थे? अमृत भारत योजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करना है, लेकिन अनूपपुर में सामने आ रही तस्वीर इस उद्देश्य के विपरीत दिखाई दे रही है। जनता के टैक्स के करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि निर्माण कार्य टिकाऊ नहीं हैं, तो इसकी जवाबदेही तय होना आवश्यक है। पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष एवं स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि पूरे निर्माण कार्य की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जाए, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता का परीक्षण कराया जाए तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों, इंजीनियरों और ठेकेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। जीवेन्द्र सिंह ने कहा कि विकास कार्यों की वास्तविक सफलता उद्घाटन समारोहों से नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता और स्थायित्व से तय होती है। अनूपपुर रेलवे स्टेशन में उठ रहे ये सवाल केवल एक निर्माण कार्य तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सार्वजनिक धन के उपयोग और प्रशासनिक जवाबदेही से भी जुड़े हुए हैं। अब निगाहें रेलवे प्रशासन पर हैं कि वह इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कर जनता के विश्वास को कायम रखता है या नहीं।

मां नर्मदा को अर्पित की गई विशाल चुनरी, भक्ति भाव में सराबोर रहे राजस्थानी श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक, आध्यात्मिक एवं पर्यटन केंद्र पवित्र नगरी अमरकंटक के रामघाट में शनिवार सायंकाल बांके बिहारी सत्संग समिति, भीलवाड़ा (राजस्थान) के तत्वावधान में मां नर्मदा को श्रद्धा एवं भक्ति भाव से विशाल चुनरी अर्पित की गई। इस अवसर पर राजस्थान से आए सैकड़ों शिवभक्त श्रद्धालुओं ने विधि-विधानपूर्वक पूजन-अर्चन कर पुण्य सलिला मां नर्मदा का आशीर्वाद प्राप्त किया। जानकारी के अनुसार राजस्थान के भीलवाड़ा, उदयपुर, जोधपुर, धौलपुर, जयपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने रामघाट पहुंचकर भजन-कीर्तन, पूजन-अर्चन एवं मंत्रोच्चार के बीच मां नर्मदा को चुनरी समर्पित की। महिलाओं एवं पुरुषों ने अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ चुनरी महोत्सव यात्रा में सहभागिता निभाई। बताया गया कि लगभग 400 श्रद्धालु स्थानीय शांति कुटी आश्रम में 4 जून से 10 जून तक आयोजित सात दिवसीय संगीतमय शिव महापुराण कथा में शामिल होने अमरकंटक पहुंचे हैं। कथा का वाचन व्यासपीठ से पूज्य चौतन्य दास जी महाराज द्वारा किया जा रहा है। श्रद्धालु प्रतिदिन कथा श्रवण कर शिव भक्ति में लीन हो रहे हैं। शनिवार को शांति कुटी आश्रम परिसर से रामघाट तक भव्य चुनरी महोत्सव यात्रा निकाली गई। यात्रा में श्रद्धालु पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में सुसज्जित होकर ढपली एवं अन्य वाद्य यंत्रों की मधुर धुनों पर भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़े। महिलाएं सिर पर चुनरी धारण कर मां नर्मदा के जयकारों के साथ यात्रा में शामिल रहीं। रामघाट पहुंचने पर आचार्य एवं पुरोहितों के मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजन-अर्चन सम्पन्न कराया गया तथा मां नर्मदा को विशाल चुनरी अर्पित की गई। इसके पश्चात नर्मदा आरती का आयोजन हुआ और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। पूरे आयोजन के दौरान रामघाट का वातावरण भक्तिमय बना रहा तथा श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर दिखाई दिए।

इंसानों को नहीं जंगली जानवरों की चिंता

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

शासकीय पदो में आने बाद इंसान इतना व्यस्त हो जा रहा है कि विभिन्न तरह की घटनाओं में घायल या मृत पालतू मवेशी या जंगली जानवरों के हितों की चिंता नहीं रहती है जिसका सबसे बड़ा उदाहरण शनिवार की शाम जिला मुख्यालय से 13 किलोमीटर शहडोल अनूपपुर-अमरकंटक मुख्य मार्ग के मध्य छीरापटपर में एक मादा जंगली सुअर जो अपने अन्य साथियों के साथ मुख्य मार्ग को पार कर रही थी तभी अचानक तेज गति से चलने वाला अज्ञात वाहन की ठोकर से गंभीर रूप से घायल हो गई जिसे ऑटो वाहन से वनचौकी जमुडी लाकर रखा गया ना हीं पशु चिकित्सक ना हीं पशु चिकित्सा सहायक सूचना के कई घंटे बाद उपचार हेतु पहुंच सके जिस कारण तड़पते हुए मादा जंगली सुअर की देर रात मौत हो गई वही मृत्यु के 15 घंटे तक कहीं डॉक्टर तो कहीं वन अधिकारी कहीं अन्य के कारणो से निरंतर 15 घंटे बीत जाने पर अंततः मृत जंगली सुअर के शव का दाह संस्कार हो सका ऐसी घटना पहली बार नहीं कई बार घटित हो चुकी है। शनिवार की देर शाम जिला मुख्यालय अनूपपुर के वन्यजीव संरक्षक शशिधर अग्रवाल जो 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर शंभूधारा सरोवर अमरकंटक में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में सम्मिलित होने बाद वापस अनूपपुर आ रहे थे तभी अमरकंटक शहडोल एवं अनूपपुर मुख्य मार्ग के मध्य छीरापटपर में अज्ञात वाहन की ठोकर से जंगली मादा सुअर गंभीर रूप घायल स्थिति मे बीच मार्ग में तड़पते पड़ी रही है जो स्वयं घसीटते हुए मार्ग के किनारे जाकर दर्द से कराह रही थी जिसे देखते हुए तत्काल वन अधिकारियों कर्मचारियों को श्री अग्रवाल द्वारा सूचित किए जाने पर वन कर्मचारी सुरक्षाश्रमिकों के साथ स्थल पर पहुंचकर गंभीर रूप से घायल मादा जंगली सूअर को उपचार हेतु आटो वाहन से वनचौकी जमुडी ला कर रखा इस बीच कई घंटे तक पशु विभाग के जिम्मेदार पशु चिकित्सा अधिकारी, पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी से गंभीर रूप से घायल वन्यप्राणी के उपचार हेतु आने का आग्रह किये जाने के कई घंटे बाद तक कही साधन ना होने कही बाहर होने, कई वार फोन नहीं उठाने का बात करते करते कई घंटे बीत गए निरंतर तड़पते हुए जंगली मादा सुआर ने रात 10:30 बजे दम तोड़ दिया वहीं रविवार को मृत मादा जंगली सुअर का शव का पीएम एवं दाह संस्कार की कार्यवाही में भी पूर्व की अन्य घटनाओं की तरह इस बार भी लापरवाही बरतते हुए 15 घंटे बाद वन अधिकारी, पशु चिकित्सा, राजस्व विभाग के अधिकारियों के पहुंचने पर पीएम एवं अन्य कार्यवाही करते हुए दाह संस्कार कराया गया। शासकीय सेवा में आने के बाद इंसान अपने दायित्व का इतश्री करते हुए समस्याओं का त्वरित समाधान करने की जगह नए-नए बहाने खोज कर समस्या के निराकरण की जगह और समस्या पैदा करने का कार्य करते हैं जिस कारण वन्यजीव तड़प-तड़प कर मृत हो जाते हैं। वन्यजीव संरक्षक शशिधर अग्रवाल ने बताया कि ऐसी घटना अनूपपुर जिले में कई बार देखी गई की विभिन्न तरह कि घटनाओं में घायल या मृत पालतू मवेशियो, वन्यजीवो के उपचार एवं शव परीक्षण में अनावश्यकया जानबूझ कर विलंब किए जाने से पशु मालिक, वनविभाग के अधिकारी/कर्मचारी एवं अन्य परेशान रहते हैं। श्री अग्रवाल ने शासन में बैठे जिम्मेदार अधिकारियों से मनुष्यों की तरह पालतू एवं वन्यजीवों के प्रति भी संवेदनशीलता दिखाए जाने की अपील की है।

छीरापटपर मे एक्सीडेंट से घायल मादा जंगली सूअर की मौत

मृत्यु के 15 घंटा बाद हो सका दाह संस्कार

विश्व पर्यावरण दिवस पर संस्कार लॉ कॉलेज में वृक्षारोपण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संस्कार लॉ कॉलेज अनूपपुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध कराना था। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभी ने कॉलेज परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया और उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे केवल पौधे लगाएं ही नहीं, बल्कि उनकी नियमित देखभाल भी करें ताकि वे भविष्य में पर्यावरण संरक्षण का मजबूत आधार बन सकें। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास से संबंधित विचार भी साझा किए गए। विद्यार्थियों ने पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने की शपथ ली। महाविद्यालय परिवार ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा समाज में पर्यावरण जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संकल्प पैरामेडिकल कॉलेज की उपलब्धि, मेहनत, सपनों और समर्पण की चमक से रोशन हुआ अनूपपुर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जब सपनों को सही दिशा, मेहनत को सही मार्गदर्शन और प्रतिभा को सही मंच मिलता है, तब सफलता इतिहास रचती है। ऐसा ही गौरवपूर्ण क्षण तब सामने आया जब संकल्प पैरामेडिकल कॉलेज, अनूपपुर ने बीएमएलटी (बैचलर ऑफ मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी) द्वितीय वर्ष परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत प्राप्त कर जिले का नाम गौरवान्वित किया। परिणाम घोषित होते ही कॉलेज परिसर में खुशी, गर्व और उत्साह का माहौल छा गया। विद्यार्थियों की आंखों में सफलता की चमक थी तो अभिभावकों के चेहरों पर वर्षों की मेहनत का संतोष दिखाई दे रहा था। इस शानदार सफलता में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। स्नेहा सेन ने 83.58 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। सिमरन सोनी ने 78.83 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मनीष साहू ने 78.58 प्रतिशत अंक अर्जित कर तृतीय स्थान हासिल किया। इन विद्यार्थियों की सफलता केवल अंकों की उपलब्धि नहीं, बल्कि उनके संघर्ष, अनुशासन और अटूट विश्वास की कहानी है। हर विद्यार्थी अपने साथ एक सपना लेकर कॉलेज आता है। संकल्प पैरामेडिकल कॉलेज ने उन सपनों को साकार करने के लिए शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण, आधुनिक प्रयोगशालाओं और अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराया। यही कारण है कि यहां के विद्यार्थी लगातार उत्कृष्ट परिणाम देकर नई मिसाल कायम कर रहे हैं। महाविद्यालय के संचालक अंकित शुक्ला ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा यह सफलता विद्यार्थियों की अथक मेहनत, अभिभावकों के विश्वास और शिक्षकों के समर्पण का परिणाम है। हमारा उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि ऐसे कुशल और जिम्मेदार स्वास्थ्य कर्मी तैयार करना है जो समाज की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यही विद्यार्थी स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। किसी भी सफलता के पीछे शिक्षकों का मौन समर्पण छिपा होता है। संकल्प पैरामेडिकल कॉलेज के शिक्षकों ने विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, अनुशासन और पेशेवर दक्षता का भी प्रशिक्षण दिया। परिणाम आने के बाद कई अभिभावकों की आंखों में खुशी और गर्व के आँसू दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि संकल्प पैरामेडिकल कॉलेज ने उनके बच्चों को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि एक उज्ज्वल भविष्य की दिशा भी दी है। बीएमएलटी चिकित्सा क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण अंग है, जहां प्रशिक्षित तकनीशियन मरीजों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संकल्प पैरामेडिकल कॉलेज के ये सफल विद्यार्थी भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूत कड़ी बनकर समाज की सेवा करेंगे। संकल्प पैरामेडिकल कॉलेज की यह उपलब्धि केवल परीक्षा परिणाम नहीं है, बल्कि यह संदेश है कि सही मार्गदर्शन, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। आज यह सफलता अनूपपुर जिले के लिए गर्व का विषय है और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी।

समर कैंप ने बच्चों में जगाई नेतृत्व और सामाजिक चेतना की अलख

सामतपुर, डोंगरांटोला एवं छुल्हा में 10 दिवसीय शिविर का उत्साहपूर्ण समापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। आज के दौर में जब बच्चों का अधिकांश समय मोबाइल और डिजिटल दुनिया में व्यतीत हो रहा है, ऐसे समय में जनजातीय कार्य विभाग एवं मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में संचालित 'सक्षम कार्यक्रम' बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल बनकर सामने आया है। विकासखंड जैतहरी के ग्राम छुल्हा, डोंगरांटोला तथा नगर पालिका क्षेत्र अनूपपुर के सामतपुर वार्ड में आयोजित 10 दिवसीय समर कैंप का समापन उत्साह, ऊर्जा और नई उम्मीदों के साथ संपन्न हुआ। 20 मई से 6 जून तक चले इस शिविर में बच्चों ने केवल खेलकूद और मनोरंजन ही नहीं किया, बल्कि जीवन कौशल, पर्यावरण संरक्षण, लैंगिक समानता, बाल संरक्षण, नेतृत्व विकास एवं सामाजिक सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों को भी व्यवहारिक रूप से समझा। सामुदायिक युवा लीडर तमन्ना कोल, रानी पाण्डेय एवं अरुण सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित गतिविधियों ने बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया। शिविर के दौरान बच्चों ने "मेरे सपनों का गांव" तथा पर्यावरण संरक्षण विषयों पर चित्र, मॉडल और विचार प्रस्तुत कर यह संदेश दिया कि ग्रामीण विकास और प्रकृति संरक्षण में नई पीढ़ी की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। बच्चों द्वारा प्रस्तुत नवाचारपूर्ण सुझावों ने यह साबित किया कि यदि उन्हें सही मंच और अवसर मिले तो वे समाज के सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं। समापन समारोह में गीत, नृत्य, कविता, कहानी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों, शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने बच्चों में आए सकारात्मक बदलावों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर न केवल बच्चों को नई दिशा देते हैं, बल्कि समाज में जागरूक और जिम्मेदार नागरिक तैयार करने का कार्य भी करते हैं। सक्षम कार्यक्रम के विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक आशीष मिश्रा ने कहा कि बच्चों के भीतर छिपी नेतृत्व क्षमता को विकसित करना और उन्हें सामाजिक सरोकारों से जोड़ना ही इस शिविर का मुख्य उद्देश्य है। वहीं जिला कार्यक्रम प्रबंधक मेघा दीवान ने कहा कि बच्चों के समग्र विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तित्व निर्माण और सामाजिक जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। कार्यक्रम में शिक्षिका मीना मिश्रा, सेवानिवृत्त शिक्षक एवं जनप्रतिनिधि सुदर्शन सिंह, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सोमबती जी, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। यह समर कैंप इस बात का जीवंत उदाहरण बना कि जब समाज, विद्यालय, अभिभावक और युवा मिलकर बच्चों के विकास के लिए कार्य करते हैं, तब केवल एक शिविर नहीं, बल्कि जागरूक, संवेदनशील और सशक्त समाज की नींव तैयार होती है।